शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) मंदिरों के अवशेष जिनमें शिल्पी महत्व के अपखण्ड और मूर्तियां शामिल हैं, पाए गए हैं।

(ख) इन में से अधिकतर को व्यवस्थित कर दिया गया है और इलाहाबाद संग्राहलय की गैलरियां में रख दिया गया है।

t[THE DEPUTY MINISTER IN TIE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAKT DARSHAN): (a) Ruins of ten-ples comprising architectural fragments and sculptures have bem found.

(b) Most of these have been arranged and kept in the galleries of the Allahabad Museum.

वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों की पुस्तकें

९३. **श्री राम सहाय** : क्या शिक्षा मंत्री २७ फरवरी, १९६४ को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या २०४ को दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों की जिन २८ पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद हो चुका है उनके नाम तथा विषय क्या हैं और क्या ये सब पुस्तकें छप चुकी हैं ?

f [BOOKS ON SCIENTIFIC AND TECHNICAL SUBJECTS

93. SHRI RAM SAHAI: Will he Minister of EDUCATION be pleaded to refer to the answer given to Stirred Question No. 204 in the Rajya Sabha on the 27th February, 1964 end state the names and subjects of he 28 books on scientific and technical subjects which have been translated into Hindi and whether all these books have been printed?]

शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : विवरण संलग्न है। [देखिये परिशिष्ट ४७ अनुपत्र संख्या ८।]

THE DEPUTY MINISTER m THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAKT DARSHAN): A statement is attached. [See Appendix IXLVII, Annexure No. 8.]

जादवपुर विश्वविद्यालय के रेक्टर डा० त्रिगुण सेन का वक्तव्य

९४. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान जादवपुर विश्वविद्यालय के रेक्टर, डा० त्रिगुण सेन के उस वक्तव्य की ओर आकृष्ट किया गया है, जो उन्होंने हाल ही में वाराणसी में हुए अन्तर विश्वविद्यालय सम्मेलन के अध्यक्ष पद से दिया था और जिस में उन्होंने यह कहा था कि यदि बोर्ड के अधिकार विस्तृत किये जावें, तो उच्च शिक्षा की उन्नति पूर्ण रूप से हो सकती हैं, और

(ख) यदि हां, तो इस वक्तव्य पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

t [STATEMENT BY DR. TEIGUN SEN,. RECTOR, JADAVPUR UNIVERSITY

94. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the statement made by Dr. Trigun Sen, Rector, Jadavpur University as Chairman of the Inter-University Board meeting recently held at Varanasi to the effect that if the powers of the Board were widened, it will contribute to the full development of higher education; and

(b) if so, what is Government's reaction to the statement?]

शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) अन्तर विश्वविद्यालय बोर्ड की पिछली वार्षिक बैठक में डा० त्रिगुण सेन ने यह विचार व्यक्त किया था कि विचार विमर्श तथा कार्यवाहियों के लिये बोर्ड का

क्षेत्र बड़ा होना चाहिये और शिक्षा की नीति के मामलों में बोर्ड से और अधिक परामर्श लिया जाना चाहिये ।

(ख) यह विश्वविद्यालयों पर निर्भर करता है कि वे इस पर विचार करें क्योंकि सभी विश्वविद्यालय स्वायत्त संस्थायें हैं तथा अन्तर विश्वविद्यालय बोर्ड एक गैर-सरकारी संगठन हैं ।

UTHE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAKT DARSHAN): (a) Dr. Trigun Sen in his presidential speech at the last annual meeting of the Inter-University Board of India expressed his feeling that the Inter-University Board should have bigger scope for deliberations and actions and should be more effectively consulted on matters of educational policy.

(b) It is a matter for Universities to consider since they are autonomous bodies and the Inter-University Board is a non-governmental organisation.]

ग्रामीण सेवाओं का डिप्लोमा पाठ्यक्रम

९५. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय बोर्ड को हाल ही में ग्रामीण सेवाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में क्या परामर्श दिया था और बोर्ड ने उस पर क्या निर्णय लिया ?

t [RURAL SERVICES DIPLOMA COURSE

95. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state the nature of the advice recently given by Government to the \nter-University Board of India regarding the Rural Services Diploma Course and the decision taken by the Board thereon?]

शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : भारत सरकार ने भारत के अन्तर-विश्वविद्यालय बोर्ड को सलाह दी है कि जिस प्रकार उस ने शिक्षा के उत्तर स्नातक अध्ययन में दाखिले के लिये अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास राजनैतिक विज्ञान, समाज कल्याण और मानवशास्त्र में इसी प्रकार की पाठ्य-प्रणालियों में ग्राम सेवा डिप्लोमा को पहले ही से जो मान्यता दे रखी है, उसी आधार पर व्यावसायिक प्रशिक्षण में दाखिले के लिए भी ग्राम सेवा में डिप्लोमा को मान्यता दे दी जाए। बोर्ड ने इस सुझाव को नहीं माना है, किन्तु अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस डिप्लोमा को दी गई अपनी पहली मान्यता को दोहराया है ।

f[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAKT DARSHAN): Government have advised the Inter-University Board of India to accord recognition to the Diploma in Rural Services for purposes of admission to professional training as in Education on the same lines as it has already done for purposes of admission to post-graduate instruction in Economics, Sociology, History, Political Science, Social welfare and similar disciplines in the Humanities. The Board has not agreed to this suggestion but has reiterated its earlier recognition of this Diploma for admission to the other Courses.]

FIRE IN H. E. C. RANCHI

96. SHRI M. P. BHARGAVA: Will the Minister of STEEL, MINES AND HEAVY ENGINEERING be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 38 in the Rajya Sabha on the 13th February, 1964 and state:

(a) whether the police investigations regarding the causes of Are in the Heavy Engineering Corporation, Ranchi have since been completed; and

t[ ] English translation.